



पंचांग - वैदिक ज्योतिष में समय के 5 स्तंभ

Arpita Nath द्वारा • प्रारंभिक ज्योतिष नोट्स • 2026-09-11

वैदिक ज्योतिष (Jyotish) में, **पंचांग (Panchang)** (संस्कृत से लिया गया: पंच = पाँच, अंग = अंग/भाग) पारंपरिक हिंदू खगोलीय कैलेंडर है। यह किसी भी दिए गए क्षण में समय की गुणवत्ता और सूक्ष्म ऊर्जावान स्थिति को मापता है।

जहाँ एक मानक सौर कैलेंडर केवल दिनों, महीनों और वर्षों को ट्रैक करता है, वहीं एक पंचांग सूर्य (आत्मा और जीवन शक्ति का प्रतिनिधित्व करने वाला) और चंद्रमा (मन और भावनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाला) के बीच जटिल ज्यामितीय संबंध की गणना करता है। इसका उपयोग विवाह, बड़े वित्तीय नविश, व्यापार की शुरुआत और आध्यात्मिक साधनाओं के लिए शुभ समय (मुहूर्त - Muhurta) का चयन करने के लिए किया जाता है।

पंचांग के 5 अंग (पंच-अंग)

पंचांग का नाम प्रत्येक दिन गणना किए जाने वाले पाँच विशिष्ट खगोलीय घटकों से पड़ा है:

1. तिथि (Tithi - चंद्र दिवस)

- यह क्या मापता है:** सूर्य और चंद्रमा के बीच की सटीक कोणीय दूरी (12° की वृद्धि)।
- कुल संख्या:** प्रत्येक चंद्र मास 30 तिथियाँ (शुक्ल पक्ष / बढ़ते चंद्रमा के दौरान 15, कृष्ण पक्ष / घटते चंद्रमा के दौरान 15)।
- शासक तत्व:** जल (Jala) - भावनात्मक स्थिति, रश्मि में सामंजस्य और तरल घटनाओं को नियंत्रित करता है।

2. वार (Vara - सप्ताह का सौर दिवस)

- यह क्या मापता है:** एक सूर्योदय से अगले सूर्योदय तक का समय, जो सात भौतिक ग्रहों में से एक द्वारा शासित होता है।
- कुल संख्या:** 7 वार (रविवार से शनिवार तक: Ravivar से Shanivar)।
- शासक तत्व:** अग्नि (Agni) - शारीरिक जीवन शक्ति, सहनशक्ति, दीर्घायु और समग्र प्राण शक्ति को नियंत्रित करता है।

3. नक्षत्र (Nakshatra - चंद्र नक्षत्र/नक्षत्र मंडल)

- यह क्या मापता है:** वह विशिष्ट तारा समूह जिससे चंद्रमा किसी दिए गए समय में गुजर रहा होता है।
- कुल संख्या:** 27 नक्षत्र (राशिचक्र में प्रत्येक $13^\circ 20'$ तक फैला हुआ)।
- शासक तत्व:** वायु (Vayu) - मानसिक एकाग्रता, मनोवैज्ञानिक प्रेरणा और स्वाभाविक व्यवहार को नियंत्रित करता है।

4. योग (Yoga - सूर्य-चंद्र संयोजन)

- यह क्या मापता है:** सूर्य और चंद्रमा की संयुक्त कोणीय गति ($13^\circ 20'$ का योग)।

कुल संख्या: 27 योग (हरषण जैसे अत्यधिक शुभ योग से लेकर व्यतीपात जैसे चुनौतीपूर्ण योग तक)।

- **शासक तत्व:** अंतरिक्ष / आकाश (Akasha) - स्वास्थ्य, आध्यात्मिक संरक्षण और समग्र कल्याण को नियंत्रित करता है।

5. करण (Karana - आधा चंद्र दविस)

- **यह क्या मापता है:** एक तथिका ठीक आधा भाग (सूर्य और चंद्रमा के बीच 6° की वृद्धि)।
- **कुल संख्या:** 11 करण (4 स्थिर, 7 आवर्ती चर करण)।
- **शासक तत्व:** पृथ्वी (Prithvi) - व्यावहारिक निष्पादन, ठोस सफलता और भौतिक कार्य संधि को नियंत्रित करता है।

दैनिकी नरिणय लेने के लिए पंचांग क्यों महत्वपूर्ण है

- **शुभ समय खोजना (अभजित मुहूर्त - Abhijit Muhurta):** दैनिकी पंचांग देखने से यह सुनिश्चित होता है कि आप एक ऐसा समय चुनते हैं जब पाँचों तत्व अनुकूल रूप से संरक्षित होते हैं, जिससे महत्वपूर्ण गतिविधियों में बाधाएँ कम से कम होती हैं।
- **अशुभ समय से बचना:** एक पंचांग दैनिकी अस्थिर ऊर्जा बदलावों जैसे किराहु काल (Rahu Kaal - भ्रम की दैनिकी राहु अवधि), यमगंड और गुलकि काल की पहचान करता है ताकि उन घंटों के दौरान उच्च-जोखिम वाले कार्यों को शुरू करने से बचा जा सके।
- **व्यक्तिगत समय निर्धारण (तारा बल और चंद्र बल - Tara Bala & Chandra Bala):** दैनिकी पंचांग के नक्षत्र और चंद्रमा की स्थिति को अपनी व्यक्तिगत जन्म कुंडली (Kundli) के साथ मिलाकर देखने से, आप यह निर्धारित कर सकते हैं कि कोई विशिष्ट दिन आपकी ऊर्जा का समर्थन करता है या नहीं।

<https://astroarpitanath.com/hindi/panchang-in-astrology/>

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।